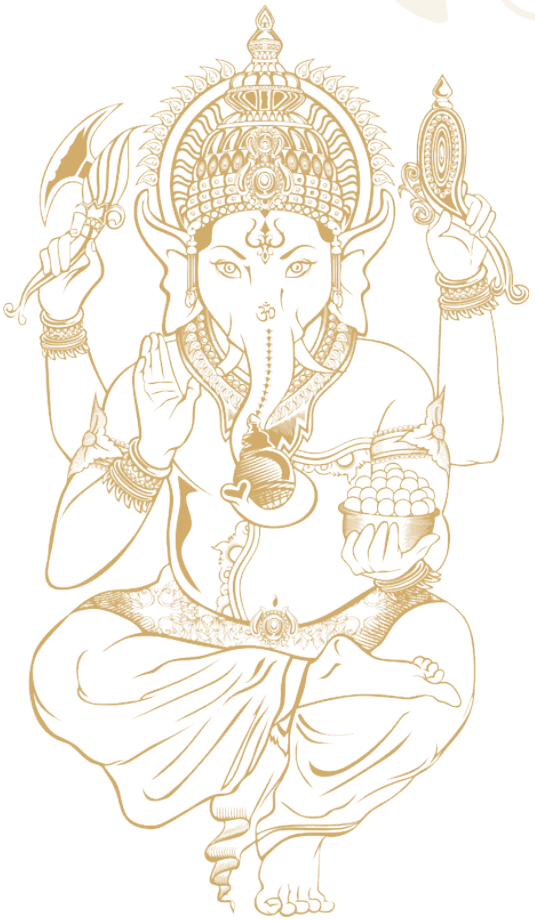

Mohit mishra

16 Aug 2001

11:56 AM

Mughal Sarai

Model: web-freekundliweb

Order No: 120909707

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**16/08/2001**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**11:56:00 घंटे**
इष्ट	16:01:15 घटी
स्थान	**Mughal Sarai**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	25:18:00 उत्तर
रेखांश	83:07:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:02:28 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:58:28 घंटे
वेलान्तर	-00:04:17 घंटे
साम्पातिक काल	09:37:21 घंटे
सूर्योदय	05:31:29 घंटे
सूर्यास्त	18:31:38 घंटे
दिनमान	13:00:09 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	29:35:05 कर्क
लग्न के अंश	24:27:31 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**आर्द्रा - 4**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	वज्र
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सिंह
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	छ-छत्रपति
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	24:27:31	313:27:05	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	---
सूर्य			कर्क	29:35:05	00:57:41	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	मित्र राशि
चंद्र			मिथु	19:33:02	14:30:54	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	मंगल	मित्र राशि
मंगल			वृश्चि	26:04:10	00:19:53	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	स्वराशि
बुध		अ	सिंह	09:58:03	01:50:35	मघा	3	10	सूर्य	केतु	शनि	मित्र राशि
गुरु			मिथु	13:15:47	00:11:24	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			मिथु	23:14:50	01:10:22	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	मित्र राशि
शनि			वृष	19:34:01	00:04:13	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	11:31:39	00:00:54	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	उच्च राशि
केतु	व		धनु	11:31:39	00:00:54	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	उच्च राशि
हर्ष	व		मक	28:57:30	00:02:24	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	---
नेप	व		मक	13:03:27	00:01:33	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	18:40:45	00:00:14	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	---
दशम भाव			कर्क	28:05:27	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:31

लग्न-चलित

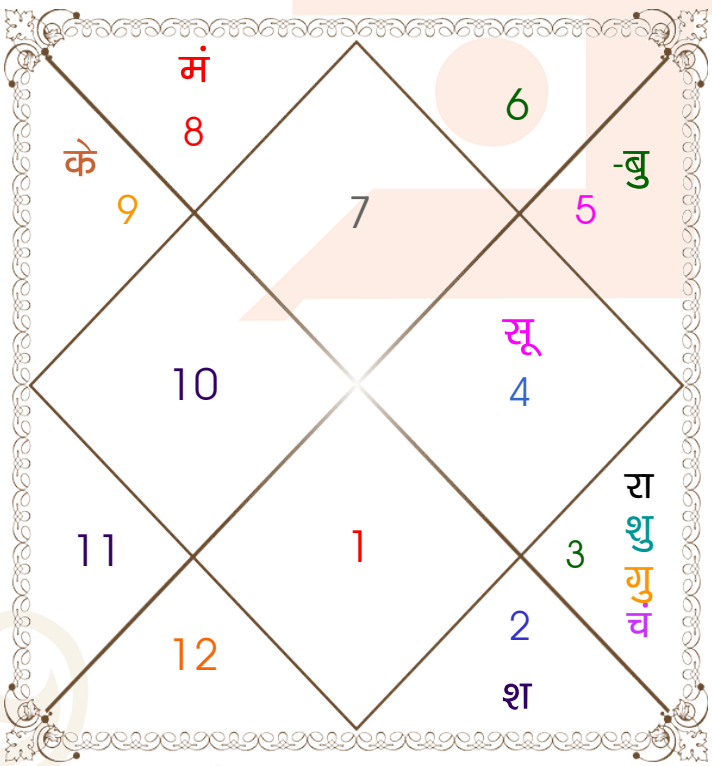

चन्द्र कुंडली

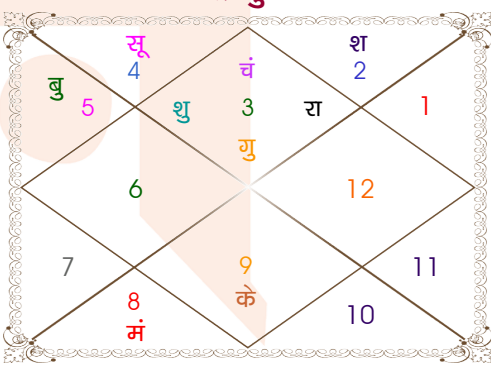

नवमांश कुंडली

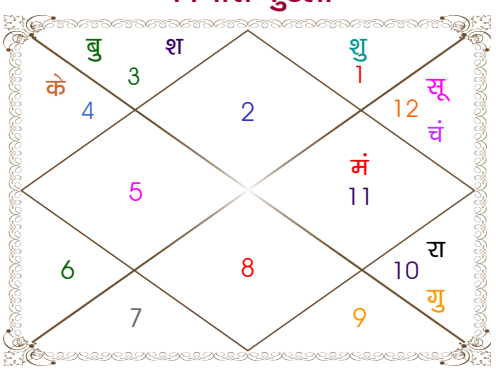

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 0 वर्ष 7 मास 8 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
16/08/2001		26/03/2002		26/03/2018		25/03/2037		26/03/2054	
26/03/2002		26/03/2018		25/03/2037		26/03/2054		25/03/2061	
	00/00/0000	गुरु	13/05/2004	शनि	28/03/2021	बुध	22/08/2039	केतु	22/08/2054
	00/00/0000	शनि	24/11/2006	बुध	07/12/2023	केतु	18/08/2040	शुक्र	22/10/2055
	00/00/0000	बुध	01/03/2009	केतु	14/01/2025	शुक्र	19/06/2043	सूर्य	27/02/2056
	00/00/0000	केतु	05/02/2010	शुक्र	16/03/2028	सूर्य	25/04/2044	चंद्र	27/09/2056
	00/00/0000	शुक्र	06/10/2012	सूर्य	26/02/2029	चंद्र	24/09/2045	मंगल	23/02/2057
	00/00/0000	सूर्य	25/07/2013	चंद्र	27/09/2030	मंगल	21/09/2046	राहु	13/03/2058
	00/00/0000	चंद्र	24/11/2014	मंगल	06/11/2031	राहु	10/04/2049	गुरु	17/02/2059
	16/08/2001	मंगल	31/10/2015	राहु	12/09/2034	गुरु	16/07/2051	शनि	28/03/2060
मंगल	26/03/2002	राहु	26/03/2018	गुरु	25/03/2037	शनि	26/03/2054	बुध	25/03/2061

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
25/03/2061		25/03/2081		26/03/2087		25/03/2097		26/03/2104	
25/03/2081		26/03/2087		25/03/2097		26/03/2104		17/08/2121	
शुक्र	25/07/2064	सूर्य	13/07/2081	चंद्र	24/01/2088	मंगल	21/08/2097	राहु	07/12/2106
सूर्य	25/07/2065	चंद्र	12/01/2082	मंगल	24/08/2088	राहु	09/09/2098	गुरु	02/05/2109
चंद्र	26/03/2067	मंगल	19/05/2082	राहु	23/02/2090	गुरु	16/08/2099	शनि	08/03/2112
मंगल	25/05/2068	राहु	13/04/2083	गुरु	25/06/2091	शनि	25/09/2100	बुध	25/09/2114
राहु	26/05/2071	गुरु	30/01/2084	शनि	23/01/2093	बुध	22/09/2101	केतु	14/10/2115
गुरु	24/01/2074	शनि	11/01/2085	बुध	25/06/2094	केतु	18/02/2102	शुक्र	13/10/2118
शनि	25/03/2077	बुध	18/11/2085	केतु	24/01/2095	शुक्र	20/04/2103	सूर्य	07/09/2119
बुध	24/01/2080	केतु	26/03/2086	शुक्र	24/09/2096	सूर्य	26/08/2103	चंद्र	08/03/2121
केतु	25/03/2081	शुक्र	26/03/2087	सूर्य	25/03/2097	चंद्र	26/03/2104	मंगल	17/08/2121

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 0 वर्ष 7 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विश्वाखा नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर वृष राशि का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण उदित था। इस जन्म प्रभाव से ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप बहुत चालाक एवं धूर्त व्यक्ति हैं। आप धन संचय करने में कोई अवरूद्धता नहीं चाहते। आप अपनी महत्वकांक्षा से संबंधित कार्य संपादन में एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपके जीवन की उज्वलता किसी भी प्रकार से निपटाएंगे। परंतु आपके जीवन का सर्वप्रथम 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वे वर्ष से 34 वें वर्ष तक का समय अति अनुकूल एवं प्रगतिकारक समय रहेगा।

आपके जीवन में धन उपार्जन से संबंधित दूर-दूर तक कतिपय संबंध रहेंगे। अर्थात् आपके संबंध धनोपार्जन में सहायक होंगे। आप अपने दिमाग को तथाकथित रूप से द्वि-पक्षीय रखकर प्रेरित करते हो तथा अपने धनकोष को विज्ञापित करके प्रस्तुत करते हो। आप सदैव अन्यों के प्रति इर्ष्या रखते हों तथा अपनी संपत्ति उर्पाजन के लिए सदैव प्रेरित रहते हो। आपकी शक्ति अन्यों की अपेक्षा अति उत्तम है।

आप निःसंदेह अति कुशाग्र बुद्धि के हैं तथा आपकी संलग्नता उज्वल भविष्य का प्रतीक है। आपको यह ज्ञात है कि अपना जीवन किस प्रकार व्यतीत करना चाहिए। परंतु आपका अड़ियल पन आपकी अपरिपक्वता की सूचना है। जन सामान्य आपके इस व्यवहार को पसंद नहीं करते। अतः कुछ व्यक्ति आपके प्रतिपक्षी हो जाते हैं। परंतु आपका दृढ़ रचनात्मक चरित्र आपका सहायक होकर विपक्षी को अंत समय में पराजित कर देते हैं। इस प्रकार वे लोग सदैव आपका तहेदिल से समर्थन करते हैं।

अतएव आप अच्छी प्रकार अपनी योजना की वास्तविकता को धीरे-धीरे कार्यान्वित करेंगे। इस प्रकार आप अपने क्षतिग्रस्त राह को पुननिर्मित करें। यदि आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को समझ लें तो आप अत्यंत लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आप अपने मित्रतापूर्ण व्यवहार हेतु सक्षम होकर अपने लाभ जनक प्रवृति में वृद्धि करेंगे।

आपको अपने व्यवसाय एवं अपनी गृह व्यवस्था के प्रति युक्ति संगत होना चाहिए। आपको अपने आनंदप्रद गृह व्यवस्था हेतु अपनी पत्नी के साथ मतैक्यता रखनी चाहिए।

आप मात्र अपनी जीवन संगिनी के साथ क्षणिक प्रेम संबंध न रखें। आपको सदैव ही नये प्रेम संबंध के प्रति संपर्क असंतोषजनक और अस्थायी है। अन्तोगत्वा आपको अपने प्रेम संबंध में समानता हेतु आश्वस्त होकर पारिवारिक जीवन को आनन्दमय बनाना चाहिए।

आप अपने व्यवसाय हेतु वैदेशिक पर्यटन एजेन्सी का व्यवहार कर सकते हैं। आप अपने व्यवसाय हेतु शेयर मार्केट का कार्य भी कर सकते हैं।

आप विविध प्रकार के उत्तेजिक कार्यकलाप आपकी वृद्धावस्था में रोगग्रस्त होने का सूचक है जिस वजह से आप कई प्रकार के रोगों से अक्रान्त हो सकते हैं। यथा मस्तिष्क रोग, ट्यूमर आदि रोग से प्रभावित हो सकते हैं। अतः आपको विधिवत अपने खान-पान के संबंध

अपने डाक्टर से सतत परीक्षण कराते रहना चाहिए।

आपके लिए अंकों में उपयुक्त अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक धनोपार्जन हेतु पूर्ण अनुकूल है। आपके लिए अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में रंग हरा एवं पीला रंग अनुपयुक्त हैं। आपके लिए रंग नारंगी एवं सफेद रंग मनभावन एवं शुभ है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।